Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 22

No. of Printed Pages – 7

SS–21–Hindi Lit. (D & D)(Supp.)

यहाँ से काटिए

उच्च माध्यमिक (मूक–बधिर) (CWSN) पूरक परीक्षा, 2024

हिन्दी साहित्य

समय : 4 घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 80

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

2) **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें ।

4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड है, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।

यहाँ से काटिए

खण्ड – 'अ'

1) निम्नलिखित वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर लिखिए – **[2 × 1 = 2]**

i) खबर या सूचना जो किसी माध्यम द्वारा प्रसारित की जाती है, कहलाती है –

अ) विज्ञप्ति

ब) ज्ञापन

स) समाचार

द) बुलेटिन

ii) रिपोर्ताज शब्द है –

अ) फ्रांसीसी

ब) जर्मनी

स) अरबी

द) अंग्रेजी

2) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । **[2 × 1 = 2]**

i) समाचार प्रसारण के मुख्य रूप से ..... माध्यम है ।

ii) साक्षात्कार का अर्थ है साक्षात् कराना तथा ..... करना ।

3) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए । **[2 × 2 = 4]**

i) विशेष लेखन क्या हैं?

ii) फीचर किसे कहते हैं?

iii) आधुनिक युग में जन संचार का सबसे तीव्र माध्यम कौनसा है ।

खण्ड – 'ब'

4) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए – **[4]**

i) राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान

ii) मेरा प्रिय कवि

iii) सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार क्रान्ति

iv) प्लास्टिक की थैलियों की समस्या

5) निम्नलिखित वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए – **[3 × 1 = 3]**

i) काव्य के गुण कितने प्रकार के होते हैं?

(अ) दो

(ब) चार

(स) तीन

(द) पाँच

ii) जिस गुण के कारण रचना में मधुरता होती है वह है –

(अ) ओज गुण

(ब) प्रसाद गुण

(स) माधुर्य गुण

(द) इनमें से कोई नहीं

iii) 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' काव्य की यह परिभाषा किसने दी?

(अ) आचार्य मम्मट

(ब) आचार्य विश्वनाथ

(स) पण्डित जगन्नाथ

(द) आचार्य भामह

6) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **[3 × 1 = 3]**

i) जिन छन्दो में मात्राओं की संख्या का नियम होता है उनको ..... छन्द कहते हैं।

ii) मात्रिक तथा वर्णिक छन्द ..... प्रकार के होते हैं।

iii) गीतिका छन्द में साधारण ..... मात्रा होती हैं।

7) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए । [2 × 2 = 4]

i) मात्राएँ कितने प्रकार की हैं नाम लिखिए ।

ii) अर्थालंकार और शब्दालंकार में अन्तर लिखिए ।

8) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए । [2 × 3 = 6]

i) अलंकार कितने प्रकार के होते हैं? नाम लिखिए ।

ii) अन्योक्ति अलंकार को उदाहरण सहित लिखिए ।

खण्ड – 'स'

9) निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए । [3 × 2 = 6]

रंग–रस–गंध से लदे–फँदे दूर के विदेश के
वे नंदन–वन होवेंगे यशस्वी
मधुमस्त पिक भौंर आदि अपना–अपना कृतित्व
अभ्यास करके दिखावेंगे
यही नही जाना था कि आज के नगण्य दिन जानूँगा
जैसे मैने जाना, कि वसंत आया ।

i) यशस्वी कौन होंगे?

ii) कौन अभ्यास करके दिखायेंगे?

iii) नगण्य शब्द का अर्थ लिखिए ।

10) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :– [3 × 2 = 6]

हर की पौड़ी पर साँझ कुछ अलग रंग में उतरती है । दीया–बाती का समय कहलो आरती की बेला । पाँच बजे जो फूलों के दोने एक–एक रूपये में बिक रहे थे, इस वक्त दो–दो के हो गए हैं । भक्तों को इससे कोई शिकायत नहीं । इतनी बड़ी–बड़ी मनोकामना लेकर आए हुए हैं । एक दो रूपये का मुँह थोड़े ही देखना है । गंगा सभा के स्वयंसेवक खाकी वरदी में मुस्तैदी से घूम रहे हैं । वे सबको सीढियों पर बैठने की प्रार्थना कर रहे हैं । शान्त होकर बैठिए, आरती शुरू होने वाली है । कुछ भक्तों ने स्पेशल आरती बोल रखी है । स्पेशल आरती यानी एक सौ या एक सौ इक्यावन रूपये वाली ।

i) साँझ कहाँ अलग रंग में उतरती है?

ii) फूलों के दोने कितने रूपये में बिकते हैं?

iii) स्पेशल आरती क्या होती हैं?

11) निम्नलिखित बहुवैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए । **[8 × 1 = 8]**

i) 'कार्नेलिया का गीत' किस नाटक से लिया गया है?

(अ) चन्द्रगुप्त नाटक से

(ब) स्कंदगुप्त नाटक से

(स) अजात शत्रु से

(द) ध्रुव स्वामिनी से

ii) 'सरोज स्मृति' कविता निराला की बेटी पर केन्द्रित हैं –

(अ) निर्मला पर

(ब) देवसेना पर

(स) सरोज पर

(द) शकुन्तला पर

iii) राम को वापस लाने भरत गए थे –

(अ) पंचवटी

(ब) चित्रकूट

(स) लंका

(द) सरयू

iv) कवि विद्यापति के संकलित प्रथम पद में वर्णन है –

(अ) प्रेम की महत्ता

(ब) वसन्त ऋतु का

(स) विरहिणी नायिका के भावों का

(द) शीत ऋतु का

v) भीष्म साहनी का जन्म हुआ

(अ) पंजाब

(ब) पाकिस्तान

(स) राजस्थान

(द) गुजरात

vi) प्रेमघन की छाया स्मृति पाठ की विद्या है –

(अ) संस्मरण

(ब) कहानी

(स) निबंध

(द) उपन्यास

vii) पंडित चन्द्रधर शर्मा गुलेरी का निबंध है –

(अ) प्रेमधन की छाया स्मृति

(ब) सुमिरिनी के मनके

(स) कच्चा चिट्ठा

(द) कुटज

viii) संवदिया कहानी के लेखक हैं –

(अ) फणीश्वर नाथ 'रेणु'

(ब) असगर वजाहत

(स) रामचंद्र शुक्ल

(द) मुंशी प्रेमचंद

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

12) माघ महीने में विरहिणी को क्या अनुभूति होती हैं? **[3]**

13) वसंत आगमन की सूचना कवि को कैसे मिली? **[3]**

14) साझे की खेती के बारे में हाथी ने किसान को क्या बताया? **[3]**

15) आधुनिक भारत के नये 'शरणार्थी' किन्हें कहा गया है? **[3]**

खण्ड – 'द' (अन्तराल)

किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए – **[3 × 4 = 12]**

16) सूरदास जगधर से अपनी आर्थिक हानि गुप्त क्यों रखना चाहता था?

17) भसीण क्या है? इसका उपयोग लिखिए ।

18) कोइयाँ किसे कहते हैं? इसकी विशेषताएँ लिखिए ।

19) लेखक ने वर्तमान सभ्यता को खाऊ–उजाड़ू क्यों कहा है?

20) जगधर के मन में ईर्ष्या का भाव क्यों जागा?

21) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पुस्तिका में लिखिए – [4 × 1 = 4]

भामाशाह का यह निष्ठापूर्ण सहयोग और समर्पण महाराणा प्रताप के जीवन में महत्त्वपूर्ण और निर्णायक साबित हुआ । मेवाड़ के इस वृद्ध मन्त्री ने अपने जीवन में काफी सम्पत्ति अर्जित की थी । मातृ भूमि की रक्षा के लिए महाराणा प्रताप का सर्वस्व होम हो जाने के बाद भी उनके लक्ष्य को सर्वोपरि मानते हुए भामाशाह अपनी संपूर्ण सम्पत्ति के साथ प्रताप की सेवा में उपस्थित हुए और उनसे मेवाड़ के उद्धार की याचना की ।

i) किसका योगदान महाराणा प्रताप के जीवन में महत्त्वपूर्ण और निर्णायक साबित हुआ ।

ii) भामाशाह ने महाराणा प्रताप को धन क्यों दिया?

iii) महाराणा प्रताप का लक्ष्य क्या था?

iv) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।

22) निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए । [4 × 1 = 4]

चाह नहीं, मैं सुरबाला के
गहनों में गूँथा जाऊँ
चाह नहीं, सम्राटों के शव पर,
हे हरि! डाला जाऊँ
चाह नहीं, देवों के सिर पर,
चढ़ूँ, भाग्य पर इठलाउँ

i) कविता की शीर्षक लिखिए ।

ii) 'सुर बाला' का अर्थ लिखिए ।

iii) सम्राटों के शव पर कौन नहीं पड़ना चाहता?

iv) ''चाह नहीं, देवों के सिर पर चढ़ूँ, भाग्य पर इठलाउँ'' । काव्य पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ।

DO NOT WRITE ANYTHING HERE